रणजीत टाइम्स

इंदौर
गुरुवार, 9 अप्रैल, 2026
वर्ष 02 | अंक 90 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

भाजपा का प्रवासी नेताओं को निर्देश-काले जादू से बचें

राज्य में बांग्ला परिधान पहनें

पिछले चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के बाहरी बनाम स्थानीय की जंग में जीत की दहलीज से लुढ़की भाजपा बेहद सतर्क है। इस बार भी पार्टी ने राज्य में बाहरी नेताओं की फौज तो उतारी है, मगर बेहद सख्त निर्देशों के साथ। पार्टी ने इन प्रवासी नेताओं को अनजान महिलाओं से दूरी बरतने, बांग्ला परिधान धारण करने, सार्वजनिक जगहों पर राजनीतिक बहस से दूर रहने व मीडिया में बयान देने से बचने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। पार्टी नेतृत्व ने बाहरी नेताओं से कहा है कि वे स्थानीय नेताओं के नेपथ्य में रहकर काम करें। कलफ किया कुर्ता-पायजामा पहनने से दूरी बरतें और स्थानीय लोगों से घुलने-मिलने के तरीके तलाशें व कार्यकर्ताओं से इतर पहचान सार्वजनिक करने से बचें।

इतनी सतर्कता क्यों?

पिछले चुनाव में प्रवासी नेताओं की फौज भाजपा पर भारी पड़ गई थी। तृणमूल कांग्रेस ने बेहद सधे सियासी दांव के तहत इसे बाहरी बनाम स्थानीय का रूप दे दिया था। रही-सही कसर राज्य के तत्कालीन प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय व दो नेताओं पर पार्टी कार्यकर्ता के यौन शोषण के आरोप ने पूरी कर दी थी। विजयवर्गीय को जब तक अग्रिम जमानत मिलती तब तक चुनाव खत्म हो चुके थे। यही कारण है कि इस बार पार्टी ने प्रवासी नेताओं को अनजान महिलाओं से दूरी के सख्त निर्देश दिए हैं।

विवादों को थामने में

अब तक सफल रही रणनीतिपश्चिम बंगाल में कमल खिलाने की मुहिम में जुटी भाजपा की अब तक की रणनीति सफल रही है। पार्टी ने बीते साल नवंबर महीने में राज्य को पांच जोन में बांट कर छह प्रदेशों के संगठन मंत्रियों को मोर्चे पर लगाया था। इसके बाद विधानसभा स्तर पर बाहर के नेताओं को विस्तारक और प्रभारी नियुक्त किया गया।

BJP की नई टीम पर संघ की नजर: खींची लक्ष्मण रेखा, आभासी दुनिया से बाहर आएं नेता; सत्ता के लालचियों से रहे दूरी

भारतीय जनता पार्टी की नवीन टीम के स्वरूप की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लक्ष्मण रेखा खींच दी है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के नए संगठन का ढांचा तैयार करने की कवायद पर संघ काफी सजग है। संघ की सबसे बड़ी आपत्ति इस बात पर है कि नई पीढ़ी के नेता जमीन पर पसीना बहाने के बजाय केवल आभासी दुनिया की राजनीति में उलझ कर रह गए हैं। संघ की साफ हिदायत है कि संगठन में उन लोगों को कतई जगह न मिले जो विचारधारा की कीमत पर केवल सत्ता का सुख भोगना चाहते हैं। पार्टी की कमान ऐसे हाथों में होनी चाहिए जो वैचारिक रूप से मजबूत हों और जिनका जनता से सीधा संपर्क हो। हाल के वर्षों में संघ इस बात से काफी नाराज और फिक्रमंद है कि भाजपा नेताओं का जनता से सीधा संवाद लगातार कम हो रहा है। नेता जमीन पर जाकर लोगों के बीच काम करने के बजाय संचार माध्यमों पर अपनी लोकप्रियता चमकाने का आसान रास्ता अपना रहे हैं। संघ का मानना है कि दशकों की मेहनत से बना भाजपा का सबसे मजबूत जमीनी संपर्क तंत्र इन आभासी माध्यमों के हावी होने से कमजोर पड़ रहा है। सत्ता का सुख चाहने वालों से रहें सावधानसंघ ने भाजपा नेतृत्व को साफ नसीहत दी है कि पार्टी में नए लोगों के प्रवेश के लिए एक कड़ा पैमाना तय होना ही चाहिए। यह पहचानना बहुत जरूरी है कि कौन सा नेता सिर्फ सत्ता का हिस्सा बनने आ रहा है और कौन पार्टी विचारधारा के लिए जुड़ रहा है। संघ की सख्त सलाह है कि नई कार्यकारिणी बनाते समय हर हाल में वैचारिक निष्ठा और वैचारिक प्रशिक्षण को ही सबसे बड़ा मानक माना जाए। इसलिए अहम है संघ का यह हस्तक्षेपदरअसल नितिन नवीन के इस नए संगठन के जरिये पार्टी में एक बड़ा पीढ़ीगत बदलाव होने जा रहा है। यह नई पौध सिर्फ आज के लिए नहीं बल्कि अगले पंद्रह से बीस वर्षों तक भाजपा की दशा और दिशा तय करेगी। आने वाले चुनावों में कई दिग्गज नेता शायद चुनावी राजनीति से किनारे हो जाएंगे। ऐसे में संघ चाहता है कि पार्टी की कमान जिन नए हाथों में जाए उनकी वैचारिक जड़ें बहुत मजबूत हों और वे सेवा, संगठन और समर्पण के मूल मंत्र पर खरे उतरें। फिलहाल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद ही नई कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

होर्मुज खोलने के लिए तैयार हुआ ईरान

अल्टीमेटम खत्म होने से पहले ही सीजफायर; ट्रंप ने बताया आगे का प्लान

ईरान की पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी देने के कुछ घंटे बाद ही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर (युद्धविराम) का ऐलान कर दिया। हालांकि इसमें एक शर्त रखी गई है। वह यह कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह और तत्काल प्रभाव से खोलेगा। ताकि सुरक्षित रूप से जहाज वहां से गुजर सके।

दो हफ्तों में होगी अंतिम समझौते की कोशिश

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इन दो हफ्तों का इस्तेमाल ईरान के साथ एक अंतिम समझौते की दिशा में काम करने के लिए करेगा। उन्होंने लिखा, "ऐसा करने की वजह यह है कि हमने अपने सभी सैन्य लक्ष्य पहले ही हासिल कर लिए हैं, बल्कि उनसे भी आगे निकल गए हैं। साथ ही, हम ईरान के साथ लंबे समय तक शांति बनाए रखने और पूरे मध्य-पूर्व में शांति स्थापित करने से जुड़े एक पक्के समझौते की दिशा में काफी आगे बढ़ चुके हैं।" इसके साथ ही ट्रंप ने आगे कहा कि वॉशिंगटन को तेहरान से दस-सूत्रीय प्रस्ताव मिला है और वह इसे बातचीत शुरू करने के लिए एक व्यावहारिक आधार मानते है।

ईरान के विदेश मंत्री ने भी सीजफायर किया स्वीकार

ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने X पर सीजफायर स्वीकार करते हुए लिखा कि, "PM शरीफ के ट्वीट में की गई भाईचारे वाली अपील के जवाब में, और अमेरिका की 15-सूत्रीय प्रस्ताव पर आधारित बातचीत की अपील को ध्यान में रखते हुए, साथ ही POTUS द्वारा ईरान के 10-सूत्रीय प्रस्ताव के सामान्य ढांचे को बातचीत के आधार के रूप में स्वीकार करने की घोषणा को देखते हुए, मैं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की ओर से यह घोषणा करता हूं। अगर ईरान पर हमले रोक दिए जाते हैं, तो हमारी शक्तिशाली सेना अपनी रक्षात्मक कार्रवाई रोक देगी।"चीन ईरान का एक प्रमुख सहयोगी है और उसने तेहरान से लचीलापन दिखाने तथा तनाव कम करने का आग्रह किया था। अधिकारियों ने बताया कि इस संघर्ष-विराम को ईरान के नए सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने मंजूरी दी है।बता दे कि ईरान ने पहले कहा था कि वह जलडमरूमध्य को खोलने पर तभी सहमत होगा जब यह एक पूर्ण शांति समझौते का हिस्सा हो। ऐसा समझौता जो इस बात की गारंटी दे कि अमेरिका और इजरायल की ओर से भविष्य में कोई और हमला नहीं किया जाएगा।

अकेली नहीं, आत्मनिर्भर: स्त्री स्वतंत्रता की नई कहानी

हर शाम जब वह अपने दफ़्तर से लौटकर घर का दरवाज़ा खोलती है, तो केवल ताला नहीं खुलता, बल्कि समाज की संदेहभरी निगाहें भी उसके साथ भीतर प्रवेश कर जाती हैं। वह शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरी एक आधुनिक महिला है, जो अपनी गाड़ी स्वयं चलाती है, किताबों में सुकून तलाशती है और अपने सपनों की दुनिया खुद गढ़ती है। लेकिन समाज की नजर में उसकी यह सफलता सम्मान का कारण नहीं बनती, बल्कि उसे "समस्या" का रूप दे देती है। भारत में आज लाखों महिलाएँ अविवाहित, तलाकशुदा या विधवा होकर आत्मसम्मान के साथ जीवन जी रही हैं, फिर भी उन्हें अधूरा मान लिया जाता है। मानो विवाह ही स्त्री के अस्तित्व की अंतिम स्वीकृति हो। यही सीमित सोच उन्हें सराहना के बजाय संदेह और सवालों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

पितृसत्तात्मक भय यह मानसिकता अचानक उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं की गहराइयों से निकली है। समाज ने स्त्री को सदैव किसी न किसी पुरुष की छाया में देखने की आदत बना ली है। पिता, पति और पुत्र—इन्हीं के माध्यम से उसके जीवन की पहचान तय कर दी गई। आज भी अनेक परिवार विवाह को ही स्त्री की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (एनएफएचएस-5) के अनुसार शहरी भारत में अविवाहित महिलाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है, फिर भी सामाजिक सोच अब तक पिछड़ेपन से मुक्त नहीं हो सकी है। स्वतंत्र और आत्मनिर्भर महिला को व्यवस्था के लिए खतरा माना जाता है, क्योंकि वह पारंपरिक सत्ता संरचना को चुनौती देती है और स्थापित मान्यताओं को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

सामाजिक दबाव

इस भय का सबसे गहरा प्रभाव महिलाओं के रोज़मर्रा के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मकान मालिक उन्हें किराए पर घर देने से हिचकिचाते हैं, पड़ोसी कानाफूसी करते हैं और रिश्तेदार बार-बार विवाह की याद दिलाकर मानसिक दबाव बढ़ाते हैं। कार्यस्थल पर भी उन्हें अलग दृष्टि से देखा जाता है, मानो उनकी योग्यता नहीं, बल्कि उनका वैवाहिक दर्जा ही उनकी पहचान हो। पुरुषों का अविवाहित रहना सामान्य माना जाता है, किंतु किसी महिला का अकेले रहना उसके चरित्र पर प्रश्नचिह्न लगा देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहाँ अविवाहित या विधवा महिलाओं को सामाजिक बहिष्कार और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। यह दोहरा मापदंड धीरे-धीरे महिलाओं की आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति को कमजोर करने का माध्यम बन जाता है।

संस्थागत असमानता

अकेली महिलाओं की कठिनाइयाँ केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्थागत ढाँचों में भी गहराई से समाई हुई हैं। संपत्ति अधिकार, बैंक ऋण, बीमा योजनाएँ और अनेक सरकारी सुविधाएँ आज भी विवाहितों को प्राथमिकता देती हैं। व्यवस्था अब तक यही मानकर चलती है कि महिला का जीवन किसी पुरुष के सहारे ही पूर्ण होता है। जब वह अपने बल पर आगे बढ़ती है, तो उसे अपवाद की तरह देखा जाता है। यह मानसिकता वास्तव में पितृसत्ता की असुरक्षा को उजागर करती है। पुरुष-प्रधान व्यवस्था को भय है कि यदि महिलाएँ बिना किसी सहारे के सफल हो गईं, तो नियंत्रण और प्रभुत्व की दीवारें स्वतः ढह जाएँगी।

सामाजिक विद्रोह

इसी कारण अविवाहित रहना आज केवल निजी पसंद नहीं, बल्कि एक सशक्त सामाजिक विद्रोह बन चुका है। जब कोई महिला स्पष्ट कहती है कि उसे अभी या कभी विवाह नहीं करना, तो वह परंपराओं को सीधी चुनौती देती है। वह यह सिद्ध करती है कि पहचान केवल पत्नी या माँ बनकर ही नहीं बनती। यह विद्रोह दहेज, घरेलू हिंसा और भावनात्मक शोषण जैसी कुरीतियों के विरुद्ध भी आवाज़ है। अनेक महिलाएँ अपमानजनक रिश्तों से बाहर निकलकर अकेले रहना चुनती हैं, क्योंकि उनके लिए आत्मसम्मान सबसे बड़ा मूल्य होता है। समाज इसे स्वार्थ कहता है, किंतु वास्तव में यह साहस और स्वाभिमान की घोषणा है।

नई पहचान

पिछले कुछ वर्षों में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। सामाजिक माध्यमों पर "प्राउडली सिंगल" जैसी पहचान मजबूत हो रही है, जहाँ महिलाएँ अपने अनुभव निर्भीक होकर साझा कर रही हैं। अनेक शोध बताते हैं कि अकेली महिलाएँ अधिक आत्मनिर्भर और संतुलित जीवन जीती हैं। मॉर्गन स्टैनली की रिपोर्ट के अनुसार आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में महिलाएँ विवाह और मातृत्व को विकल्प के रूप में देखेंगी, अनिवार्यता के रूप में नहीं। यह संकेत है कि महिलाएँ अब अपने जीवन की दिशा स्वयं तय कर रही हैं।

आत्मशक्ति

अकेली महिलाएँ अपने लिए सशक्त सामाजिक नेटवर्क बनाती हैं, मित्रता और समुदाय में सहारा खोजती हैं तथा करियर और रचनात्मकता पर ध्यान केंद्रित करती हैं। वे अकेलेपन को कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मविकास का अवसर बनाती हैं। उनका जीवन यह प्रमाणित करता है।

विशेष राजस्व अभियान की समय सीमा 25 अप्रैल तक बढ़ाई गई

इंदौर। इन्दौर जिले के नागरिकों की राजस्व संबंधी समस्याओं और प्रकरणों के त्वरित निराकरण एवं राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करने के उद्देश्य से सम्पूर्ण जिले में चलाये जा रहे विशेष राजस्व अभियान की अवधि को 25 अप्रैल 2026 तक बढ़ाया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में राजस्व अभियान 30 मार्च तक आयोजित होना था।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने समस्त राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाना सुनिश्चित करें। राजस्व अभियान की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत करें। प्रतिदिन की प्रगति गूगल शीट में दर्ज की जायेगी। संपूर्ण अभियान के समन्वय के लिये प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है, जो समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन की प्रगति से अवगत करायेंगे। अभियान की पाक्षिक समीक्षा 26 अप्रैल 2026 को की जायेगी। विशेष राजस्व अभियान के दौरान राजस्व कार्यों की प्राथमिकता एवं निरंतरता को दृष्टिगत रखते हुए अभियान की अवधि में समस्त राजस्व अधिकारियों के पूर्व में स्वीकृत अवकाश निरस्त किये गए हैं। अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा एवं जिनके द्वारा संतोषजनक कार्य नहीं किया गया है, उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। आगामी 25 अप्रैल के बाद जिस नागरिक द्वारा नियत दिनांक के पूर्व के लंबित प्रकरणों की सूचना दी जायेगी, उन्हें पुरस्कार स्वरूप 5 हजार रुपये की राशि प्रदाय की जायेगी। यह राशि संबंधित राजस्व अधिकारी से की जायेगी। उल्लेखनीय है कि अभियान के दौरान 28 फरवरी 2026 तक के लंबित राजस्व प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने का लक्ष्य है।

अम्बेडकर जयंती- 2026

डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को जन्मस्थली स्मारक महू में होगा विशाल समागम

आदित्य शर्मा

जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं की मेहमानों की तरह की जाएगी आवभगत श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, पेयजल के लिए की जाएगी विशेष व्यवस्थाए, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने डॉ. अंबेडकर नगर महू पहुंचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

इंदौर। संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेड्कर की जयंती पर 14 अप्रैल को डॉ. अम्बेड्कर नगर महू में स्थित उनकी जन्मस्थली पर बने भव्य स्मारक में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन की व्यापक तैयारियां जारी है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज डॉ. अम्बेड्कर नगर महू पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सभी तैयारियां कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह पूर्ण उत्साह, उमंग और आस्था के साथ इंदौर जिले के डॉ. अंबेडकर नगर (महू) में मनाया जाएगा। जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं कि मेहमानों की तरह राज्य शासन द्वारा आवभगत की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, शीतल पेयजल आदि की विशेष व्यवस्था की जाएगी। जन्म स्थली पर बने भव्य स्मारक पर विशेष साज-सज्जा की जाएगी। फूलों और विद्युत रोशनी से सजावट होगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज डॉ. अंबेडकर नगर (महू) पहुंच कर जयंती उत्सव में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अंतिम रूप दिया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रुपेश द्विवेदी, एसडीएम महू श्री राकेश परमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह में मध्यप्रदेश सहित अन्य प्रदेशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आयेंगे। श्रद्धालुओं के आगमन का सिलसिला 12 अप्रैल की शाम से शुरू हो जाएगा। श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था स्वर्ग मंदिर परिसर में की जायेगी। यह व्यवस्था 12 अप्रैल की शाम से प्रारंभ हो जायेगी। उक्त भोजन व्यवस्था 14 अप्रैल की शाम तक जारी रहेगी। भंतो के भोजन की व्यवस्था माहेश्वरी स्कूल में की जाएगी तथा उनके रूकने की व्यवस्था भी माहेश्वरी स्कूल में रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालयों का निर्माण भी किया जाएगा। श्रद्धालुओं की पेयजल व्यवस्था हेतु विभिन्न स्थानों पर प्याऊ का निर्माण किया जायेगा।

अम्बेडकर जयंती के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के रूकने हेतु धर्मशालाओं, केन्ट बोर्ड हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं केन्ट बोर्ड कन्या स्कूल में श्रद्धालुओं को रूकने की व्यवस्था की जायेगी। इसके अलावा तीन विशाल डोम भी ठहरने के लिए बनाए जाएंगे।

कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु कार्यक्रम स्थलों को सात सेक्टर में विभाजित किया गया है। यह सेक्टर महेश्वरी स्कूल महू, डॉ.अम्बेडकर जन्म स्थली, केन्ट प्रायमरी स्कूल, स्वर्ग मंदिर परिसर, रेल्वे स्टेशन से सात रास्ता, केन्ट बोर्ड कन्या विद्यालय तथा उत्कृष्ट विद्यालय महू में बनाये जाएंगे। उक्त सात सेक्टरों में दल का गठन कर सभी विभागों के व्यक्तियों की ड्यूटी लगाई जायेगी। उक्त सात सेक्टरों पर मराठी भाषी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जायेगी, जिससे कि आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु तीन स्थानों पर कन्ट्रोल रूम बनाए जाएंगे। यह कंट्रोल रूम तहसील परिसर महू, अम्बेडकर जन्म स्थली स्मारक तथा स्वर्ग मंदिर परिसर में रहेंगे।

महू में समारोह के दौरान 6 स्थान पर आकस्मिक चिकित्सा की विशेष व्यवस्था रहेगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सकों का दल गठन कर ड्यूटी लगाई जायेगी। कार्यक्रम में साफ-सफाई हेतु इन्दौर नगर निगम एवं स्थानीय निकाय से सफाई कर्मी की ड्यूटी लगाई जायेगी। समारोह के दौरान अग्निशमन की भी व्यवस्था रहेगी।

रणजीत टाइम्स

गूगल मैप रियल टाइम ट्रैफिक ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से स्मार्ट यातायात प्रबंधन की पहल

यातायात दबाव क्षेत्र को चिन्हित कर पेट्रोलिंग टीमें करेगी नियमित भ्रमण

आदित्य शर्मा

इंदौर इंदौर शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा आधुनिक तकनीकों का लगातार उपयोग भी किया जा रहा है। इसी क्रम में अब Google Map Real Time Traffic Tracking System का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शहर के विभिन्न मार्गों पर यातायात की वास्तविक समय (Real-Time) स्थिति का आकलन किया जा रहा है।

क्या है रियल टाइम ट्रैफिक ट्रैकिंग सिस्टम?

गूगल मैप का रियल टाइम ट्रैफिक ट्रैकिंग सिस्टम एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो मोबाइल लोकेशन डेटा एवं GPS तकनीक के माध्यम से सड़कों पर चल रहे वाहनों की गति एवं घनत्व का विश्लेषण करता है। इसके आधार पर संबंधित मार्गों की स्थिति को रंगों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है।

ट्रैफिक संकेतों का अर्थः

हरा (Green): यातायात सामान्य एवं सुचारू रूप से संचालित

पीला (Yellow): यातायात धीमी गति से चल रहा है

गहरा लाल: अत्यधिक यातायात दबाव / रुका यातायात की स्थिति

कैसे करेगा यह सिस्टम मदद?

शहर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की तुरंत पहचान संभव यातायात दबाव का संकेत मिलते ही पेट्रोलिंग टीमें मौके पर त्वरित पहुंचेंगी। यातायात को कम करने हेतु डायवर्जन एवं मैन्युअल नियंत्रण समय रहते किया जा सकेगा। प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर सुगम आवागमन सुनिश्चित किया जाएगा आकस्मिक परिस्थितियों (दुर्घटना, खराब वाहन आदि) में त्वरित प्रतिक्रिया (Quick Response) संभव यातायात पुलिस, नगरीय इंदौर द्वारा इस तकनीक का उपयोग कर शहर में स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। कंट्रोल रूम एवं फील्ड स्टाफ के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आमजन को जाम से राहत दिलाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

परशुराम जयंती की तैयारियां प्रारंभ

आदित्य शर्मा

इंदौर भगवान श्री परशुराम जी की जयंती 19 अप्रैल पर जानापाव तीर्थ स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इसके लिये व्यापक तैयारियां जारी हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज भगवान परशुराम जी की जन्मस्थली जानापाव पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम श्री राकेश परमार, तहसीलदार श्री विवेक सोनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री वर्मा ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। श्री वर्मा ने मंदिर परिसर, गौशाला और जलाशय का अवलोकन भी किया।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया

आदित्य शर्मा

इंदौर। इंदौर जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिले में खरीदी का कार्य 10 अप्रैल से प्रारंभ होगा। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज जिले के मानपुर में स्थित खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने खरीदी केन्द्रों पर उपलब्ध सभी सुविधाओं को भी देखा। इस दौरान एसडीएम श्री राकेश परमार और तहसीलदार श्री विवेक सोनी भी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने मानपुर क्षेत्र के खरीदी केन्द्र बहुउद्देशीय सेवा सहकारी संस्था बाबा महाकाल वेयर हाउस का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, जिससे कि किसानों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारु ने बताया कि जिले में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसमें अब तक 1142 किसानों द्वारा स्लॉट बुक कराया जा चुका है। जिले में 10 अप्रैल 2026 से 90 उपार्जन केंद्रों पर गेहूं खरीदी प्रारंभ होगी, जो 05 मई 2026 तक जारी रहेगी। इस अवधि में पंजीकृत किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जाएगी। किसान अपनी सुविधा अनुसार नजदीकी उपार्जन केंद्र का चयन कर स्लॉट बुकिंग कर सकते हैं। इसके लिए किसान एमपी ऑनलाइन, सीएससी केंद्र अथवा स्वयं घर बैठे आधिकारिक पोर्टल www.mpeuparjan.nic.in पर जाकर अपनी उपज बेचने की तिथि और केंद्र का चयन कर सकते हैं। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निर्धारित स्लॉट दिवस पर संबंधित उपार्जन केंद्र पर पहुंचकर अपनी फसल का विक्रय करें, ताकि खरीदी प्रक्रिया सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संचालित हो सके।

सकारात्मकता व प्रसन्नता का गुणांक कई गुना बढ़ा देता है सहज ध्यान

सहजयोग ध्यान करने की एक अर्वाचीन पद्धति है। जो आज के तनावग्रस्त जीवन में बहुत कारागर साबित हो रही है। आपको ऐसा लगेगा की योगा, ध्यान आदि बुढापे में करने की चीजें हैं परंतु ऐसा नहीं है, आज बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी तनाव में रहते हैं, कुछ न कुछ समस्याओं से घिरे रहते हैं। ऐसा नहीं है कि सहजयोग सीखने के बाद और इस ध्यान मे पारंगत होने के बाद आपके जीवन में समस्यायें नहीं आयेंगी। समर्थ रामदास महाराज कहते हैं ('मना त्वाचिरे पूर्वसंचित केले तयासारखे भोगणे प्राप्त झाले') जो कुछ भी शारिरिक या मानसिक भोग हैं वो आपके जीवन में रहेंगे परंतु आप अंदर से इतने शक्तिशाली बन जायेंगे कि उन सभी समास्याओं से प्रभावित न होते हुए आप आसानी से उनसे छूटकर आनंददायी जीवन व्यतीत करने लगेंगें। आपके जीवन में सकारात्मकता व प्रसन्नता का गुणांक कई गुना बढ़ जाएगा।

सहजयोग ध्यान अत्यंत सहज है। प.पूज्य श्री माताजी कहते हैं कि जो साधक अपने आत्म साक्षात्कार को सच्चे हृदय से चाहेगा उसे तत्क्षण ये प्राप्त हो जाएगाऔर इसे प्राप्त करने बाद धीरे-धीरे साधक इस ध्यान की सूक्ष्मताओं को समझकर अपना जीवन सकारात्मक तरीके से बदलने के लिये

सदैव प्रयासरत रहता है। कंठोपनिषद में वर्णित है कि यह मनुष्यरूपी शरीर ग्यारह द्वारोंवाला है और ये शरीर ही उस आत्म रूपी परमेश्वर की नगरी है। वह आनंदस्वरूप परमात्मा सर्वत्र समभाव से सदा परिपूर्ण रहते हुए भी अपनी राजधानी रूपी इस मनुष्य शरीर के हृदयप्रासाद में राजा की भांति विशेष रूप से विराजित रहते हैं। इस रहस्य को समझकर जो मनुष्य इसी जन्म में इस आत्मसाक्षात्कार को पाना चाहते हैं और जो साधक इस शाश्वत सत्य को जानता है वह शोक के कारण रूप संसार बन्धन से छूटकर जन्ममृत्यु के चक्र से सदा के लिये छूट जाता है। यही ब्रम्हसाक्षात्कार है।

वर्तमान में मे इसे पाना सहज हो गया है, बस आपको अपने आत्मसाक्षात्कार की शुद्ध इच्छा कर हर दिन सुबह-शाम १० मिनट इस ध्यान में स्थित होना होता है और आपकी एकाकारिता परमात्मा से होने लगती है और जीवन में सभी प्रकार के समाधान प्राप्त हो जाते हैं। सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं – 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा

बिना सहमति स्मार्ट मीटर थोपने के खिलाफ फूटा आक्रोश; बिजली मंडल के C.M.D. को सौंपा ज्ञापन

सह संपादक दीपक वाड़ेकर

इंदौर। शहर में बिजली उपभोक्ताओं पर बिना उनकी सहमति के जबरन स्मार्ट

मीटर थोपने के विरोध में अब कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व वरिष्ठ महामंत्री रोहिताश शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के सी.एम.डी. (C.M.D.) को ज्ञापन सौंपकर निजी कंपनियों की 'गुंडागर्दी' को तुरंत रोकने की मांग की है।

निजी कंपनियों पर 'धमकाने' का आरोप

ज्ञापन में रोहिताश शर्मा, विपिन शर्मा और विजय जाधव ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि निजी कंपनियों के कर्मचारी और ठेकेदार उपभोक्ताओं के घरों पर जाकर उन्हें डरा-धमका रहे हैं। आरोप है कि उपभोक्ताओं पर बिजली कनेक्शन काटने का दबाव बनाया जा रहा है और कई मामलों में तो दादागिरी कर जबरन मीटर लगाए जा रहे हैं।

नियमों का हवालाः उपभोक्ता की सहमति अनिवार्य रोहिताश शर्मा ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा संसद में दिए गए लिखित जवाब और विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया किः बिना उपभोक्ता की सहमति के स्मार्ट मीटर नहीं लगाया जा सकता।

मीटर का चयन करना उपभोक्ता का अधिकार है। जबरन मीटर लगाने का कोई भी सरकारी नियम अस्तित्व में नहीं है। इन क्षेत्रों में बढ़ी परेशानी शिकायत में मुख्य रूप से शीतल नगर, भाग्यश्री कॉलोनी, सुमन नगर और गंगादेवी नगर (विजय नगर क्षेत्र) का जिक्र किया गया है। यहाँ के निवासियों—राधेश्याम यादव, कैलाशचंद्र दुबे, बबुल यादव और श्रीमती इंदिरा प्रजापत सहित दर्जनों नागरिकों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि वे समय पर बिल, एनर्जी चार्ज और टैक्स जमा करते हैं, इसके बावजूद उन्हें जेल भेजने या लाइट काटने की धमकी दी जा रही है।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश

2 आरोपी गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। Chandan Nagar थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो पिकअप वाहन, एक मोटरसाइकिल एवं एक बैटरी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, फरियादी अबरार खान निवासी गंगा कॉलोनी, धार रोड ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 6-7 अप्रैल की दरमियानी रात उनकी वाहन बॉडी रिपेयरिंग दुकान से पिकअप वाहन क्रमांक MP09GH9670 एवं बैटरियां अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए। मामले में थाना चंदन नगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी लालू मालीवाड़ (21) एवं दिनेश ठाकुर (22) निवासी जवाहर टेकरी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अन्य वाहन चोरी की वारदातों को भी अंजाम देना स्वीकार किया। बरामद वाहन

पिकअप वाहन MP 09 GH 9670
पिकअप वाहन MP 09 GG 7650
मोटरसाइकिल MP 11 MG 8551
01 बैटरी पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के अन्य साथी संदीप बैरागी एवं महेश फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना चंदन नगर पुलिस टीम द्वारा की गई।

कलेक्टर श्री तिवारी ने किया औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षणकलेक्टर ने औद्योगिक इकाइयों के संचालकों से उत्पादों के निर्यात,रोजगार नियोजन के संबंध में जानकारी ली

कटनी । जिले में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की पहल के तहत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने बुधवार को कटनी की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन क्षमता, रोजगार सृजन, तकनीकी उन्नयन के संबंध में जानकारी लिया और सुरक्षा मानकों का बारीकी से निरीक्षण किया तथा इकाई संचालकों से निर्यात की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा किया। निरीक्षण के दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक ज्योति सिंह चौहान एवं प्रबंधक राजेश पटेल भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिले के उद्योग केवल उत्पादन तक सीमित न रहें, बल्कि गुणवत्ता और ब्रांडिंग के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाएं।

स्थानीय से वैश्विक की ओर कदम

कलेक्टर के भ्रमण की शुरुआत ग्राम इमलिया स्थित मेसर्स राधे ट्रेडर्स से हुई। नमकीन और प्राइम्स उत्पादों के निर्माण में संलग्न इस इकाई में लगभग 2.50 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है और यह वर्तमान में 15 लोगों को रोजगार प्रदान कर रही है। कलेक्टर श्री तिवारी ने इकाई के विक्रय नेटवर्क, कच्चे माल की उपलब्धता और उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मंडियों से कच्चे माल की खरीदी को प्राथमिकता दी जाए, जिससे स्थानीय किसानों और व्यापारियों को भी लाभ मिल सके। साथ ही खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन और अग्निशामक यंत्रों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2025 के तहत 40 प्रतिशत अनुदान प्राप्त करने वाली इस इकाई द्वारा अपनाई गई आधुनिक तकनीकों की कलेक्टर ने सराहना की।

महिला सशक्तिकरण और निर्यात की मिसाल इसके पश्चात कलेक्टर श्री तिवारी ने ग्राम पडुआ स्थित मेसर्स सुखसागर फूड प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण किया। लगभग 4 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित यह आधुनिक राइस मिल तकनीकी उन्नयन का उत्कृष्ट उदाहरण है। विशेष बात यह है कि यह एक महिला संचालित इकाई है, जिसने एमएसएमई योजना के तहत 48 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्राप्त की है और वर्तमान में 24 लोगों को रोजगार दे रही है। यहां उत्पादित पराबोइल्ड राइस और सीएमआर राइस का निर्यात संयुक्त राज्य अमेरिका, खाड़ी देशों और अफ्रीका तक किया जा रहा है, जो कटनी के उद्योगों के वैश्विक विस्तार का संकेत है। कलेक्टर ने उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए निर्यात प्रणाली और अंतरराष्ट्रीय बाजार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही इकाई में स्थापित सोलर प्लांट को लेकर भी उन्होंने जानकारी ली और इसे लागत में कमी तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कलेक्टर श्री तिवारी ने उद्योग संचालकों से राज्य की औद्योगिक नीति के संबंध में भी चर्चा किया।

कर्मयोगी पं. सत्येन्द्र पाठक की जन्म जयंती पर बरगंवा के कटाए घाट मोड़ में संजय पाठक मित्र मंडल ने आयोजित किया भंडारा

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। प्रकृति प्रेमीमानव सेवा की प्रतिमूर्ति पूर्व कैबिनेट मंत्री कर्मयोगी पं.सत्येन्द्र पाठक की जन्म जयंती आज 7 अप्रैल को स्मरण उत्सव के रूप में मनायी गयी। स्मरण उत्सव के तहत जहाँ एक ओर पाठक वार्ड स्थित शांति निवास पर कर्मयोगी पंडित सत्येन्द्र पाठक के सुपुत्र पूर्व मंत्री एवं विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक ने पूज्य पिताजी के आदर्शों का स्मरण करते हुये जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्या सुनी व उनके निराकरण के हर संभव प्रयास किये। वही दूसरी तरफ आज बरगवां स्थित कटाए घाट मोड़ पर आर के लाजिस्टिक सामने प्रति वर्ष की तरह विधायक संजय पाठक के मित्र गुड्डा जैन एवं मित्र मंडल ने विशाल भंडारे का आयोजन किया सायं 7 बजे से भंडारे में हजारों लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर आशीष पाठक, यश पाठक, मनीष पाठक, राकेश गौतम, दीपक जैन, गुड्डा जैन, अनुज तिवारी, वरुण गौतम, सचिन तिवारी, सुमित अजमानी, नीरज नगरिया,ऋषि अरोड़ा, प्रियंक अग्रवाल, लालू जैन, राजा सलूजा सहित मित्र मंडल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कटनी पुलिस ने गोवा से चार सटोरियों को दबोचा ‘ऑपरेशन क्लीन के तहत अब तक 9 गिरफ्तार, करोड़ों के सट्टा कारोबार का खुलासा

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे ‘ऑपरेशन क्लीन ‘ के तहत माधवनगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने गोवा में घेराबंदी कर कटनी के नामी सटोरिये जयपाल और उसके गिरोह के तीन अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में जयपाल के साथ पिंका आडवानी, बंटी और सुनील शामिल हैं।

अंतर्राज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

माधवनगर थाना प्रभारी संजय दुबे ने बताया कि यह गिरोह केवल मध्य प्रदेश ही नहीं, बल्कि गोवा, जयपुर और महाराष्ट्र के कल्याण में भी अपनी शाखाएं फैलाए हुए था। ये आरोपी ऑनलाइन आईडी के माध्यम से करोड़ों रुपये का सट्टा संचालित कर रहे थे। पुलिस को इनके पास से मोबाइल फोन और सट्टे के लेन-देन का व्यापक हिसाब-किताब मिला है। कोतवाली और माधवनगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 9 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा है। पकड़े गए अन्य आरोपियों में: पंकज उर्फ हेमंत खटीक, विक्की पुरुषवानी, आजाद अहमद, साजिद अली और राम निषाद। संजय सोमवानी, मुकेश दौलतानी, विजय मूलचंदानी और जय इसरानी। सूत्रों के अनुसार, शहर में सक्रिय सट्टा माफियाओं को कुछ रसूखदारों और स्थानीय पुलिसकर्मियों का संरक्षण प्राप्त होने की बात भी सामने आ रही है। पुलिस अब इन आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि सट्टा बाजार के असली ‘मास्टरमाइंड’ और उनके मददगारों तक पहुँचा जा सके। “क्रिकेट सट्टे के विरुद्ध हमारी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य बड़े नामों का खुलासा होने की उम्मीद है।”

गोंदीखेड़ा चारण की सनसनीखेज लूट एवं हत्या का चंद घण्टो में पुलिस ने किया खुलासा पत्नी ने प्रेमी के साथ रचा था षड्यंत्र

पुलिस की वैज्ञानिक जांच, तकनीकी साक्ष्य एवं सूझबूझ से हुआ मामले का पर्दाफाश। आरोपी कमलेश व्दारा प्रेमिका के पति की हत्या हेतु दी गई थी 01 लाख रुपये की फिरौती। षड़यंत्रकर्ता पत्नी व प्रेमी गिरफ्तार, सह-आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें सक्रिय।

दिलीप पाटीदार

धार जिले के राजोद थाने के अन्तर्गत गोंदीखेड़ा चारण के निवासी फरियादीया प्रियंका पुरोहित ने दिनांक 07/04/2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि अज्ञात बदमाशों व्दारा रात्रि में मेरे पति को जान से मारने की नियत से धारदार हथियार से सिर पर मारकर हत्या कर दी व मुझे बंधक बनाकर सोने व चांदी के आभूषण व नगदी आदि लूट कर ले गए। फरियादियां की रिपोर्ट पर थाना राजोद में अपराध क्रमांक 83/2026 धारा 331(8), 311, 103(1), 3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था । उक्त घटना को संवेदनशीलता व गंभीरता से लेते हुए श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक इन्दौर ग्रामीण जोन इन्दौर श्री अनुराग (भा.पु.से.),श्रीमान उपमहानिरीक्षक इन्दौर ग्रामीण जोन इन्दौर मनोज कुमार सिंह (भा.पु.से.).,उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मयंक अवस्थी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार श्री पारुल बेलापुरकर के नेतृत्व में एसडीओपी सरदापुर श्री विश्वदीपसिंह परिहार के मार्गदर्शन में विशेष टीमें गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा वैज्ञानिक एवं तकनीकी आधार पर जांच करते हुए महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए गए। मौके पर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट, डॉग स्क्वाड एवं साइबर टीम को बुलाकर सूक्ष्मता से जांच की गई। जांच के दौरान संदेह की दिशा मृतक की पत्नी प्रियंका पुरोहित की ओर गई। ग्राम गोंदीखेड़ा चारण में परिजनों एवं ग्रामीणों से पूछताछ तथा विश्वसनीय मुखबिर सूचना के आधार पर प्रियंका पर संदेह मजबूत हुआ।

प्रियंका से महिला पुलिस की उपस्थिति में पूछताछ की गई, जिसमें प्रारंभ में उसने पुलिस को गुमराह किया गया। प्रियंका से कड़ाई एवं मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर प्रियंका ने कमलेश पुरोहित निवासी राजगढ़ के साथ प्रेम संबंध होना स्वीकार किया व बताया कि पति देवकृष्ण से परेशान होकर व पीछा छुडाने के लिए प्रेमी कमलेश के साथ मिलकर षड्यंत्र रचकर पति की हत्या एवं लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी कमलेश व्दारा पुछताछ के दौरान बताया गया कि प्रियंका व मेरे बीच प्रेम संबंध थे व उसका पति देवकृष्ण उसको परेशान करता था उसको रास्ते से हटाने के उद्देश्य से मेरे दोस्त सुरेन्द्र निवासी छण्डावद को 01 लाख रुपये की फिरौती दी गई थी व घटना को लूट का रुप देने का षडयंत्र हमारे व्दारा रचा गया था। आरोपी प्रियंका व कमलेश को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ जारी है तथा सह-आरोपी सुरेन्द्र की तलाश/गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।प्रकरण में आरोपिया प्रियंका से पुछताछ करते आरोपिया व्दारा लूटा गया मश्रुका सोने व चाँदी के आभूषण घर में ही होना बताया गया हैं जिसकी अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी

01 प्रियंकाबाई पति देवकृष्ण पुरोहित जाति चारण उम्र 27 वर्ष निवासी गोंदीखेडा चारण थाना राजोद जिला धार गिरफ्तार

02 कमलेश पिता मोहनलाल पुरोहित उम्र 33 वर्ष निवासी संजय कालोनी राजगढ जिला धार गिरफ्तार

03 सुरेन्द्र पिता प्रतापसिंह भाटी निवासी छण्डावद राजगढ जिला धार फरार

सराहनीय कार्यः- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी राजोद निरीक्षक रामसिंह राठौर, थाना प्रभारी तिरला निरीक्षक ज्योति पटेल, थाना प्रभारी सरदारपुर निरी.अनिल जाधव, थाना प्रभारी राजगढ निरी. समीर पाटीदार, थाना प्रभारी अमझेरा निरीक्षक राजू मकवाना, उनि हिना जोशी, चौकी प्रभारी रिंगनोद उनि गुलाब भयडिया, सउनि पीएस डामोर, सउनि सुनिल राजपूत, सउनि रमेशचन्द्र भाभर, प्र.आर. अर्जुनसिंह, प्रआर. विपिन कटारा, आर. दिलिप, आर. अंकित रघुवंशी, आर. महेन्द्र, आर. विक्रम अहिरवार, आर.लालसिंह, आर.वेलसिंह, आर.राकेश, आर.करण, म.आर. रमिला पचाया व सायबर सेल प्रभारी उ.नि. प्रशांत गुंजाल, सायबर सेल धार टीम के प्रआर. सर्वेशसिंह सोलंकी, प्रआर बलराम भंवर, आर.प्रशांत सिंह चौहान, आर. रोहित नरगावे, आर. मनीष पाल, आर शुभम शर्मा का विशेष योगदान रहा है।

शॉर्ट सर्किट से फैली आग किराना गोदाम जलकर हुआ खाक

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल जिले के ब्यौहारी तहसील में एक छोटी सी चिंगारी ने बड़ा कहर बरपा दिया। वार्ड नंबर 9 न्यू बरौधा स्थित किराना गोदाम में शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और लाखों का सामान जलकर खाक हो गया।घटना वार्ड नंबर 9 न्यू बरौधा की है। बताया जा रहा है कि गोदाम राजेश गुप्ता का है,

जो किराना सामान के थोक व्यापारी हैं। घटना के समय गोदाम बंद था और परिवार घर पर मौजूद था। आसपास के लोगों ने गोदाम से धुआं और आग की लपटें उठती देख तत्काल इसकी सूचना राजेश गुप्ता को दी। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग काफी फैल चुकी थी।

घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग इतनी भीषण थी कि उसे काबू में करने में दमकल कर्मियों को करीब 8 घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान 6 से अधिक बार दमकल वाहनों से पानी डालकर आग पर नियंत्रण पाया गया। आग लगने से गोदाम में रखा भारी मात्रा में किराना सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस हादसे में 30 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। राजेश गुप्ता ने भी नुकसान की पुष्टि करते हुए बताया कि गोदाम में रखा लगभग पूरा स्टॉक जल गया है। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ब्यौहारी पुलिस ने आगजनी का मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है जांच के बाद ही घटना की सही जानकारी मिल पाएगी

जिला पंचायत की सीईओ सुश्री कौर के निर्देश पर जनपद सीईओ ढीमरखेड़ा ने चार ग्राम पंचायतों का आकस्मिक निरीक्षण कर लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

कटनी । जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, मध्यान्ह भोजन एवं अन्य संचालित गतिविधियों के साथ जल जीवन मिशन द्वारा निर्मित परियोजनाओं एवं स्वीकृत निर्माण कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी युजवेंद्र कोरी ने किया। श्री कोरी ने माध्यमिक शाला सिलोड़ी बाजार मोहल्ला, ग्राम पंचायत नेगई, तिलमन और घाना पहुंचकर छात्र-छात्राओं से संवाद, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं उपलब्धता, उपस्थिति पंजी, हैंड वॉश यूनिट, सीसी रोड निर्माण, नाली निर्माण व कूप मरम्मत कार्य, खेल मैदान बैठक व्यवस्था, सामुदायिक और पंचायत भवन सहित जल जीवन मिशन द्वारा निर्माणधीन नल जल योजना और पानी की टंकी का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया। श्री कोरी ने अपूर्ण एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों को तकनीकी मापदंडों का पालन करते हुए तत्परतापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश ग्राम पंचायतों के सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं उपयन्त्रियों को दिए। शाला में शिक्षकों की अनुपस्थिति एवं छात्र-छात्राओं की कम उपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षकों को यथोचित निर्देश दिए। घाना में नल जल योजना को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु ठेकेदार को निर्देशित किया। इस दौरान सरपंच जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

15 अप्रैल को होगा नगर निगम कटनी का सामान्य सम्मेलन, कई अहम प्रस्तावों पर होगी चर्चा

कटनी । नगर पालिक निगम कटनी का सामान्य सम्मेलन 15 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे निगम सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में शहर के विकास, कर निर्धारण, बजट एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे। सम्मेलन की कार्यसूची के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित बजट एवं वर्ष 2026-27 के प्रस्तावित बजट पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही जलकर से संबंधित अधिभार, संपत्तिकर निर्धारण में संशोधन तथा कर योग्य संपत्तियों के मूल्य में वृद्धि जैसे मुद्दे भी एजेंडे में शामिल हैं। बैठक में नगर निगम द्वारा जारी किए जाने वाले ट्रेड लाइसेंस के वार्षिक शुल्क में संशोधन तथा नए व्यवसायों को पोर्टल में शामिल करने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। वहीं सौर ऊर्जा से जुड़े भवनों को संपत्तिकर में छूट देने के विषय पर भी चर्चा संभावित है। इसके अलावा वीर सावरकर वार्ड क्रमांक 12 के अनुसूचित वर्ग परिवारों की बस्ती का नाम “संत रविदास नगर” किए जाने का प्रस्ताव भी विचारार्थ प्रस्तुत होगा।

"पश्चिम एशिया की आग में घिरे ट्रंप"

युद्ध, अहंकार और वैश्विक अस्थिरता की गहराती कहानी

नई दिल्ली। वर्ष 2010 में आई फिल्म फंस गए रे ओबामा एक हल्की-फुल्की कॉमेडी जरूर थी, लेकिन उसकी पृष्ठभूमि एक गंभीर वैश्विक आर्थिक संकट से जुड़ी थी। उस फिल्म का शीर्षक आज एक बार फिर प्रासंगिक होता दिखाई दे रहा है, फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार कहानी किसी फिल्म की नहीं, बल्कि वास्तविक वैश्विक राजनीति की है, जहां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पश्चिम एशिया के जटिल संकट में बुरी तरह उलझते नजर आ रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, जिसमें अमेरिका और इजरायल की संयुक्त कार्रवाई के खिलाफ ईरान मजबूती से खड़ा है, अब एक महीने से अधिक समय से जारी है। इस युद्ध ने न केवल क्षेत्रीय संतुलन को हिला दिया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भी गहरे संकट में डाल दिया है। यह कहना मुश्किल हो गया है कि यह संघर्ष कब और किस रूप में समाप्त होगा। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे अहम कड़ी माने जा रहे हैं डोनाल्ड ट्रंप, जिन पर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने बिना पूरी रणनीतिक समझ के ईरान के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। आलोचकों का कहना है कि ट्रंप ने ईरान को एक कमजोर देश समझने की भूल की, जबकि वास्तविकता यह है कि ईरान ने पिछले वर्षों में अपनी सैन्य क्षमता को काफी मजबूत किया है। उसकी मिसाइल तकनीक, क्षेत्रीय प्रभाव और रणनीतिक सोच ने अमेरिका और इजरायल दोनों को चौंका दिया है।

युद्ध के शुरुआती दौर में यह माना जा रहा था कि अमेरिका की सैन्य ताकत के सामने ईरान ज्यादा समय तक टिक नहीं पाएगा, लेकिन स्थिति इसके विपरीत होती दिख रही है। ईरान ने न केवल जवाबी हमले किए, बल्कि अपने पड़ोसी क्षेत्रों में भी दबाव बनाने की रणनीति अपनाई। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उसकी आक्रामकता ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा संभालता है। यदि यह मार्ग अवरुद्ध होता है, तो इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

ट्रंप की रणनीति में सबसे बड़ी कमजोरी उनकी अस्थिर नीति मानी जा रही है। एक ओर वे ईरान को 'पाषाण युग' में पहुंचाने की धमकी देते हैं, तो दूसरी ओर शांति वार्ता का प्रस्ताव भी रखते हैं। इस दोहरे रुख ने न केवल उनकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि विरोधियों को भी उन्हें गंभीरता से न लेने का मौका दिया है। ईरान ने उनके शांति प्रस्ताव को खारिज करते हुए उसका उपहास तक उड़ाया, जो यह दर्शाता है कि अमेरिका की कूटनीतिक पकड़ कमजोर पड़ रही है।

ट्रंप ने इस अभियान की शुरुआत करते समय यह दावा किया था कि उनका उद्देश्य ईरान में सत्ता परिवर्तन लाना और उसकी परमाणु क्षमता को पूरी तरह खत्म करना है। लेकिन अब तक के घटनाक्रम को देखें तो न तो ईरान में सत्ता परिवर्तन के कोई संकेत दिखाई दे रहे हैं और न ही यह स्पष्ट है कि उसके परमाणु ठिकानों को पूरी तरह निष्क्रिय किया जा सका है। हालांकि कुछ सैन्य अधिकारियों और ठिकानों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन ईरान की रणनीतिक क्षमता अभी भी कायम है।

इस युद्ध का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अमेरिका अपने पारंपरिक सहयोगियों को भी पूरी तरह साथ नहीं ला पा रहा है। नाटो के कई सदस्य देश इस संघर्ष में खुलकर अमेरिका का समर्थन करने से बच रहे हैं। इसके पीछे एक कारण यह भी माना जा रहा है कि ट्रंप की पूर्व नीतियों ने उनके मित्र देशों के साथ संबंधों को कमजोर किया है। ग्रीनलैंड को लेकर दिए गए उनके बयान और अन्य कूटनीतिक फैसलों ने सहयोगियों के बीच अविश्वास पैदा किया है। ट्रंप खुद को एक 'शांति के राष्ट्रपति' के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं। उन्होंने कई बार दावा किया है कि उन्होंने कई वैश्विक संघर्षों को रोका है और वे नोबेल शांति पुरस्कार के हकदार हैं। लेकिन आलोचकों का कहना है कि उनके कार्यकाल में दुनिया और अधिक अस्थिर हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने में उनकी विफलता भी उनके दावों पर सवाल खड़े करती है।

पश्चिम एशिया का यह संकट अब ट्रंप के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक चुनौती बन चुका है। उनकी भाषा और बयानों में भी इस दबाव की झलक देखने को मिल रही है। हाल के दिनों में उनकी कुछ प्रतिक्रियाएं और सोशल मीडिया पोस्ट इस बात का संकेत देती हैं कि वे इस स्थिति से काफी निराश और कुंठित हैं। यह एक ऐसे नेता की छवि प्रस्तुत करता है, जो खुद को वैश्विक शक्ति का केंद्र मानता है, लेकिन जमीनी हकीकत उससे कहीं ज्यादा जटिल है। हालांकि, इस पूरे संघर्ष में ईरान को पूरी तरह निर्दोष नहीं ठहराया जा सकता। वहां की सत्ता व्यवस्था पर लंबे समय से निरंकुश होने के आरोप लगते रहे हैं। अपने ही नागरिकों के प्रति कठोर रवैया, क्षेत्रीय वर्चस्व की महत्वाकांक्षा और हमास तथा हिजबुल्ला जैसे संगठनों के साथ उसके संबंध, उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवादित बनाते हैं। इजरायल के अस्तित्व को खत्म करने की उसकी बयानबाजी भी इस क्षेत्र में तनाव को लगातार बढ़ाती रही है।

यदि ईरान परमाणु हथियार बनाने में सफल हो जाता है, तो यह न केवल इजरायल के लिए, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। इससे क्षेत्र में हथियारों की होड़ और बढ़ेगी और अस्थिरता का स्तर और ऊंचा जाएगा। यही कारण है कि अमेरिका और इजरायल इसे रोकने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार दिखाई देते हैं। फिलहाल, स्थिति यह है कि पश्चिम एशिया एक बड़े भू-राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बन चुका है, जहां हर कदम के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। ट्रंप इस संकट में बुरी तरह फंसते नजर आ रहे हैं—न तो वे पीछे हट पा रहे हैं और न ही निर्णायक जीत हासिल कर पा रहे हैं। यह एक ऐसी स्थिति है, जहां हर विकल्प अपने साथ जोखिम लेकर आता है। कुल मिलाकर, यह कहना गलत नहीं होगा कि यह संकट सिर्फ एक क्षेत्रीय युद्ध नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की परीक्षा है। ट्रंप की नीतियां, ईरान की रणनीति और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया—ये सभी मिलकर आने वाले समय की दिशा तय करेंगे। फिलहाल, दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां शांति की राह कठिन जरूर है।

"बयानबाजी की सीमा लांघती राजनीति": चुनावी माहौल में राष्ट्रीय सुरक्षा पर सवालों की आंच

नई दिल्ली। चुनावी मौसम आते ही देश की राजनीति में बयानबाजी का स्तर अक्सर गिरता हुआ नजर आता है, लेकिन कई बार यह गिरावट इतनी गंभीर हो जाती है कि वह सिर्फ राजनीतिक विमर्श तक सीमित नहीं रहती, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामूहिक हितों को भी प्रभावित करने लगती है। हाल ही में ममता बनर्जी द्वारा दिया गया एक बयान इसी बहस को फिर से केंद्र में ले आया है, जिसमें उन्होंने यह सवाल उठाया कि क्या भारतीय जनता पार्टी चुनाव से पहले एक और पहलगाम आतंकी हमला जैसे हमले की योजना बना रही है।

यह बयान न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि राजनीतिक मर्यादाओं और जिम्मेदारी के दायरे पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उनके इस कथन को कई विश्लेषक अप्रत्यक्ष रूप से इस आरोप के रूप में देख रहे हैं कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे किसी तरह का राजनीतिक षड्यंत्र हो सकता है। ऐसे संकेत न केवल देश की आंतरिक राजनीति को विषाक्त करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गलत संदेश भेजते हैं। यह पहली बार नहीं है जब किसी बड़े आतंकी हमले को लेकर इस तरह की बयानबाजी हुई हो। इससे पहले पुलवामा आतंकी हमला के बाद भी कुछ राजनीतिक नेताओं ने सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए थे और यहां तक कहा गया था कि सुरक्षा में जानबूझकर चूक की गई। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने यह तक सवाल उठाया था कि आतंकियों के पास इतना समय कैसे था कि वे लोगों की पहचान और धर्म पूछकर हमला करें। इस तरह के बयान न केवल तथ्यों से परे होते हैं, बल्कि आतंकवाद जैसे गंभीर विषय को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति को भी दर्शाते हैं।

ममता बनर्जी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान की ओर से भी लगातार भड़काऊ बयान दिए जा रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में यह धमकी दी थी कि अगर भारत ने किसी आतंकी घटना का आरोप पाकिस्तान पर मढ़ने की कोशिश की, तो उसका जवाब कोलकाता तक हमले के रूप में दिया जा सकता है। उनके इस बयान का आशय यह था कि पहलगाम हमला पाकिस्तान की साजिश नहीं, बल्कि भारत का 'फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन' था। यह चिंताजनक है कि भारत के भीतर से आने वाले कुछ राजनीतिक बयान अनजाने में ही पाकिस्तान के इसी नैरेटिव को मजबूती देते नजर आते हैं। जब देश के अंदर के नेता ही ऐसे संकेत देते हैं, तो यह दुश्मन देशों के लिए एक तरह का प्रचार सामग्री बन जाता है, जिसका उपयोग वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को घेरने के लिए करते हैं। हालांकि यह भी सच है कि लोकतंत्र में सरकार की आलोचना और सवाल उठाना पूरी तरह वैध है। लेकिन जब सवाल राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़ा हो, तो शब्दों का चयन और संदर्भ बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। बिना ठोस प्रमाण के ऐसे गंभीर आरोप लगाना न केवल गैर जिम्मेदाराना है, बल्कि यह देश की सुरक्षा एजेंसियों और सशस्त्र बलों के मनोबल को भी प्रभावित कर सकता है।

इस पूरे विवाद का एक राजनीतिक पहलू भी है। चुनावों के दौरान वोट बैंक को साधने के लिए नेता अक्सर तीखी और भावनात्मक बयानबाजी का सहारा लेते हैं। लेकिन जब यह बयानबाजी इस हद तक पहुंच जाए कि वह राष्ट्रीय हितों के विपरीत प्रतीत होने लगे, तो उस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए दी गई ऐसी टिप्पणियां दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसी संदर्भ में राजनाथ सिंह द्वारा पाकिस्तान को दी गई चेतावनी भी उल्लेखनीय है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर पाकिस्तान से प्रायोजित आतंकवाद जारी रहा, तो भारत अभूतपूर्व कार्रवाई करेगा। यह बयान भारत की आधिकारिक नीति और रुख को दर्शाता है, जो आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर आधारित है।पिछले कुछ समय में सुरक्षा एजेंसियों ने कई ऐसे संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है, जिनके तार पाकिस्तान स्थित हैंडलरों से जुड़े पाए गए हैं।

अवैध उत्खनन से उजड़ रही नदियां नहीं थम रहा रेत का कारोबार ढीमरखेड़ा क्षेत्र में रेत भरी ट्रैक्टर ट्राली जप्त कई जगह उत्खनन जारी कार्यवाही के नाम पर दिखावा

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी। ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत सहित जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 अप्रैल को मुखबिरों से सूचना मिली कि महानदी के मोहदी घाट पर ट्रैक्टर-ट्रॉली से अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और एक नीले रंग के बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत से भरा हुआ पकड़ा। मौके पर चालक राम विशाल कोल निवासी ग्राम महोदा को पुलिस ने गिरफ्तार किया। चालक रेत परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में ट्रैक्टर का स्वामी विनोद रजक, निवासी महोदा होना सामने आया है। पुलिस ने ट्रैक्टर.ट्रॉली को जब्त कर खनिज अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने कहा कि क्षेत्र में रेत माफियाओं और अवैध उत्खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक सुबच्चन यादव, आरक्षक पंकज, डूमन

एवं गंधर्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसी तरह बड़वारा पुलिस ने अवैध रेत परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए ग्राम परसेल में ट्रेक्टर ट्राली को जप्त किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि 6 अप्रैल को भ्रमण के दौरान ग्राम परसेल में रेत परिवहन के संबंध में ग्राम भुड़सा में मुखबिर द्वारा सूचना मिली। जिस पर ग्राम भुड़सा में तालाब के पास रेत लोड ट्रैक्टर ट्राली मिली। चालक दीपक कोल के पास गाड़ी चलाने का लायसेंस एवं ट्रैक्टर ट्राली में भरी रेत के दस्तावेज नहीं मिले। ट्रैक्टर ट्राली को थाना परिसर में खड़ा किया जाकर कार्यवाही की गई।

जीवनदायनी नदियों का सीना चीरकर निकाली जा रही रेत जीवजंतुओं को भी खतरा राजस्व को भी नुकसान जीवन दायिनी नदिय हमें जीवन देती हैं उनकी आगोश में जीव जंतु भी अपना भरण पोषण करते हैं लेकिन अब ऐसा समय आ गया है की प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और किसी को कोई परवाह ही नहीं है लोग पैसे की दौड़ और लग्जरी लाइफ जीने के लिए आतुर हैं इसी कड़ी में बरही क्षेत्र में अवैध रेत खनन एक बार फिर सुर्खियों में है। प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि नदियों से खुलेआम रेत का उत्खनन जारी है।

सूत्रों केअनुसार बरही तहसील के कई ग्रामीण इलाकों में अवैध रेत खनन धड़ल्ले से जारी है। जाजागढ़, जगुआ, करेला, सलैया सिहोरा, ताली रोहनिया, सुतरी, नदावन, छिंदहाई पिपरिया और बहिरघटा जैसे क्षेत्रों की नदियों से दिनदहाड़े रेत निकाली जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि रेत माफिया बेखौफ होकर नदी की धारा से रेत निकाल रहे हैं और बड़े पैमाने पर उसका भंडारण कर आसपास के क्षेत्रों में बिक्री कर रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है की "यहां खुलेआम रेत निकाली जा रही है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही।" स्थानीय लोगों ने पुलिस, राजस्व, खनन और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि संबंधित विभागों की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार लंबे समय से फल-फूल रहा है। अवैध खनन से शासन को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। अब सवाल यह है कि आखिर कब प्रशासन इस अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई करेगा, या फिर यूं ही नियमों की अनदेखी जारी रहेगी। हालांकि प्रशासन का कहना है की सूचना मिलने पर कार्यवाही की जाती है लेकिन यह कार्यवाही ना के बराबर होती है ग्रामीण बताते हैं मजबूत कार्यवाही की जरूरत है जिससे नदियों को बचाया जा सके और जीव जंतु भी खतरे से बाहर रहे।

दिव्यांगो एवं वरिष्ठजनो को सहायक उपकरणो का हुआ वितरण

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल।जनपद पंचायत बुढार एवं गोहपारू के अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग द्वारा लगाए गए सामाजिक अधिकारिता शिविर में एडिप योजना एवं आर.व्ही.वाई. योजना के तहत चिन्हांकित किये गए दिव्यांगजनो एवं वरिष्ठजनो को विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किये गए। जनपद पंचायत बुढार में आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में विधायक श्री जयसिंह मरावी द्वारा एडिप योजना एवं आर.व्ही.वाई. योजनांतर्गत 17 वरिष्ठजन एवं 17 दिव्यांगजनो को कुल 70 सहायक उपकरण हुए जनपद पंचायत गोहपारू में आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में 19 वरिष्ठजन एवं 11 दिव्यांगजनो को कुल 56 सहायक उपकरण जिससे बैसाखी, ट्राई साइकिल, वाकर, व्हील चेयर, छड़ी आदि सहायक उपकरण शामिल थें। सामाजिक अधिकारिता शिविर में सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

यूआईटी–उत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ, विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। यूआईटी–आरजीपीवी, शहडोल में यूआईटी–उत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे विद्यार्थियों में प्रतिभा विकास एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिल रहा है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री नवीन श्रीवास्तव (पी.एम.ओ., सोहागपुर परियोजना) एवं डॉ. पंकज शर्मा (एन.आई.सी., फिजिकल एजुकेशन) उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. पंकज शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए टीम वर्क, खेल भावना एवं नेतृत्व क्षमता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियाँ न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। श्री नवीन श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे नवाचार एवं कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया तथा विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में संस्था के संचालक डॉ. पंकज जैन ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने डॉ. पंकज शर्मा द्वारा खेल विकास हेतु मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करने की सहमति पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम का सफल संचालन आशीष दुबे, विवेक सिंह, सिराज खान एवं आकांक्षा मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया।